अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक – 162 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 12 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

उन्नाव। थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कोतवाली सदर में फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण कराते हुए जिलाधिकारी महोदय उन्नाव श्री रवीन्द्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव अविनाश पांडे ।

महिला थाना प्रभारी ने घर से निकाली गई पीड़ित महिला को ससुरालियों को बुलाकर सौंपा

अवध की आवाज

माधौगढ (जालौन)। दिनांक 9 सितंबर 2021 की रात्रि में करीब 22.30 बजे महिला थाना प्रभारी को रात्रि गस्त के दौरान झांसी रोड उरई पर एक अकेली महिला हाथ में बैग लिये इध

र–उधर भटक रही थी एवं काफी परेशान लग रही थी जब प्रभारी महिला थाना द्वारा महिला के पास जाकर पूंछताछ की गई तो उसने अपना नाम सोनम पुत्री बुद्ध सिंह निवासी ग्राम औरेखी थाना जालौन बताया और यह भी बताया कि मेरे माता पिता नही है व मेरे ससुरालीजन मुझे अपने साथ नही रखना चाहते हैं इस लिये घर से निकल आयी हूं मेरे पति का नाम बीरू कुशवाहा निवासी धन्तौली थाना जालौन है । महिला थाना प्रभारी ने प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली जालौन से वार्ता कर महिला के ससुरालीजनो को थाना पर बुलवाया एवं समझा–बुझा कर महिला को सकुशल सुपुर्द किया गया ।

क्रिकेट मैच का आयोजन

अवध की आवाज

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मॉडल टेंडर्स वालों के द्वारा आज दिनांक 11 9 2021 दिन शनिवार शाम 7रू00 बजे से क्रिकेट मैच का रखा गया प्रोग्राम दर्शकों ने मॉडल टेंडर्स के मालिक

को दिया धन्यवाद अवध की आवाज टीम उन्नाव पहुंची। क्रिकेट खेल के मैदान में वहां पर कई लोगों से जानकारी ली गई क्रिकेट के खेल का प्रयोजन क्या है । उन्होंने बताया कि कोविड के चलते सरकार की गाइडलाइंस को मानते हुए हम लोग स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम क्रिकेट योगा का आयोजन जन जन तक पहुंचाने के लिए यह क्रिकेट का प्रोग्राम रखा है।

राष्ट्रपति पहुंचे प्रयागराज, कानून मंत्री, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने किया स्वागत

प्रयागराज (वेब वार्ता)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान कानून मंत्री किरन

रिजिजू और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद, प्रयागराज की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रपति ऐतिहासिक इलाहाबाद हाई कोर्ट की प्रधानपीठ परिसर में मल्टी लेवल पार्किंग, अधिवक्ता चौंबर का शिलान्यास करने के अतिरिक्त वह झलवा में बनाए जाने वाले राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की आधारशिला भी रखेंगे। हाईकोर्ट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति यहां हाईकोर्ट परिसर पहुंचेंगे। इसके बाद यहां तक तीन कार्यकमों में भाग लेंगे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी के घर जाएंगे। यहां 4 बजे से बजे तक रहेंगे। यहां हल्हा नाश्ता और चाय पिएंगे। यहां से राष्ट्रपति सर्किट हाउस जाएंगे। सर्किट हाउस से ही पांच बजे तक राष्ट्रपति की रवानगी प्रयागराज से हो जाएगी। इस दौरान वह पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी के घर भी जाएंगे। राष्ट्रपति की सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर शहर में चप्पे–चप्पे पर नाकेबंदी कर दी गई। एक दिन पहले ही केंद्रीय बल के जवान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कर दिए गए हैं। प्रोलोग्राउंड व हाईकोर्ट परिसर को सुरक्षा एजेंसियों ने अपने कब्जे में ले लिया है। अफसरों व पुलिसकर्मियों को मिलाकर 4000 से ज्यादा जवान सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। पुलिस व प्रशासनिक अफसरों की गाड़ियों दिनभर दौड़ती रहीं। पुलिस अफसरों की मौजूदगी में बम्हरौली से सर्किल हाउस और फिर पोलो ग्राउंड से हाईकोर्ट कार्यक्रम स्थल तक फ्लीट रिहर्सल भी किया गया। एसपी ट्रैफिक ने बताया कि प्रयागराज से जौनपुर–वाराणसी मार्ग से वाहन आ–जा सकेंगे। बसों व दूसरे वाहन सिविल लाइंस हनुमान मंदिर, मेडिकल चौराहा और फिर रामबाग फ्लाइओवर ब्रिज होते हुए बैरहना, अलोपीबाग फ्लाइओवर शास्त्री पुल पर जाएंगे। रीवा, चित्रकूट, मीरजापुर के लिए रामबाग फ्लाइओवर से बैरहना, बांगड़ चौराहा से नया यमुना पुल होते हुए लेप्रोसी मिशन चौराहे का रूट निर्धारित किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उत्तर प्रदेश के समस्त शक्ति केंद्रों को वर्चुअल रूप से संबोधित किया

अवध की आवाज

कानपुर महानगर। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश बूथ विजय अभियान का शुभारंभ आज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उत्तर प्रदेश के समस्त शक्ति केंद्रों को वर्चुअल रूप से संबोधित करके किया। अभियान विधानसभा चुनाव में प्रत्येक बूथ पर मतदान के दिन तक चलेगा। इस अवसर पर जेपी नड्डा ने 27,700 शक्ति केंद्र प्रभारियों को वर्चुअली संबोधित किया। भारतीय जनता पार्टी कानपुर महानगर उत्तर के सभी 217 शक्ति केंद्रों पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के संबोधन को सुनने हेतु जुड़े। जिसमें भाजपा कानपुर महानगर उत्तर के सिविल लाइंस मंडल के अंतर्गत प्राइमरी पाठशाला परमट एवं पार्टी कार्यालय नवीन मार्केट में भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन को सुना गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का उद्बोधन प्रमुख रूप से क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र मानवेंद्र सिंह ने महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में , मंत्री नीलिमा कटियार ने चंद्रशेखर आजाद विद्यालय रतनपुर में, विधायक सुरेंद्र मैथानी ने गणेश शंकर

विद्यार्थी में, एमएलसी सलिल विश्नोई ने बिरहाना रोड स्थित अपने कार्यालय में, पूर्व विधायक राकेश सोनकर ने मुक्ता प्रसाद बसंत लाल विद्यालय में सुना। सिविल लाइंस मंडल शक्ति केंद्र एवं पार्टी कार्यालय नवीन मार्केट में भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के महामंत्री राम किशोर साहू जिला महामंत्री वीरेश त्रिपाठी संतोष शुक्ला जितेंद्र शर्मा अवधेश सोनकर डॉ जनमेजय सिंह विनोद सोनकर रिचा सक्सेना रोहित साहू रवि दुबे रिषी गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

जिला अधिकारी मार्कंडेय शाही के निर्देशन में जिला कृषि अधिकारी ने खाद की 28 दुकानों के लाइसेंस निलंबित, 34 को दिया नोटिस

अवध की अवाज

गोंडा। गोंडा में डीएम ने खाद्य दुकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। डीएम मार्कण्डेय शाही के आदेश पर जिला कृषि अधिकारी जेपी यादव व टीम ने लगातार उर्वरकों की दुकानों पर छापेमारी कर अनियमितिता पकड़ी । गड़बड़ी

मिलने पर जिला कृषि अधिकारी ने 28 दुकानें निलंबित कर 34 दुकानदारों को नोटिस जारी किया है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि छापेमारी कर दुकानों पर ई–पॉश मशीनों तथा उपलब्ध स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया तो उपलब्ध स्टॉक व रिकार्ड में समानता नहीं पाई गई। इस पर 28 लाइसेन्सी दुकानदारों की दुकानें निलंबित कर दी गई और लाइसेन्सी बन्द 34 दुकानदारों को नोटिस जारी की गई है कि क्यों न उनका लाइसेन्स निरस्त कर दिया जाय। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जिले में उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। फिर भी किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इस सब परेशानियों का देन यही दुकानदार लोग हैं कृषकों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रवर्तन कार्य किया जा रहा है तथा आगे भी डीएम के निर्देशन में दुकानों पर छापेमारी की कार्यवाही जारी रहेगी।पर ये सारी कमियां व्यापारियो में पाई गई । लाइसेंस बनवाने से लेकर कोई भी काम अगर किसी व्यापारी को करवाना हो तो उनको बिना अतिरिक्त चार्ज का कोई काम नही हो सकता है। इन्हीं सब कमियों को शासन प्रशासन दूर करने में सतत प्रयासरत है।

मुख्तार की जगह भीम राजभर को टिकट देकर मायावती की एक तीर से दो निशाने

लखनऊ (वेब वार्ता)। मऊ से माफिया डान मुख्तार अंसारी का टिकट काटने के साथ ही भीम राजभर का विधानसभा का टिकट फाइनल कर मायावती ने एक तीर से दो निशाना साधने की कोशिश की है। इससे एक तो गुंडा, माफिया को पार्टी में जगह न देने का संदेश देना और दूसरा पूर्वांचल में कई सीटों पर हार–जीत का फैसला करने वाले राजभर समाज को उन्हें तवज्जो देने का संदेश छिपा है। अब यह मायावती की चुनावी तीर कहां तक लोगों को प्रभावित करेगी, यह तो आने वाला समय बताएगा, लेकिन इतना तय है कि मुख्तार के निकालने से मायावती के सख्त होने का संदेश समाज में जरूर गया है। वर्तमान में राजनीतिक पकड़ वाले लोग भी यही मान रहे हैं कि मायावती ने भले ही राजनीतिक लाभ के लिए अंसारी बंधुओं या अन्य किसी माफिया को पार्टी में शरण दी लेकिन अपने शर्तों पर ही उन्हें हमेशा रखा। पार्टी लाइन से थोड़ा भी हटने पर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस बार भी उन्होंने यही किया है। वहीं समाजवादी पार्टी में जो भी माफिया जाता है, वहां अपने हिसाब से सब कुछ करता है। पार्टी द्वारा उसे छूट भी दी जाती है। यही कृष्णानंद हत्याकांड में मुख्तार अंसारी को बचाने व सीबीआई जांच न हो, इसके लिए समाजवादी पार्टी सुप्रीम कोर्ट तक गयी थी। राजनीतिक विश्लेषक राजीव रंजन सिंह का कहना है कि मायावती हमेशा सख्त प्रशासक के रूप में ही जानी जाती हैं। सिर्फ उन पर पैसा लेने का समय–समय पर कुछ लोग आरोप लगाते रहे हैं। इसके अलावा वे अपने मुद्दों से जल्द भटकती नहीं। यह तो तय है कि जो भी उनकी पार्टी में जाता है, उसका अपना कुछ नहीं रह जाता। वह हमेशा उनके अनुसार ही चलता है। यदि आगे बढ़कर चलने की कोशिश किया तो बाहर का रास्ता ही दिखाया जाता है। इस बार भी उन्होंने ऐसा कर यही संदेश देने की कोशिश की है। हालांकि इसका प्रभाव जनता पर बहुत नहीं पड़ेगा, क्योंकि उनके भाई सिबतुल्लाह के सपा में जाने के बाद यह कदम उठाया गया है। यही कदम पहले उठाया गया होता तो बात कुछ और होती। यह बता दें कि शुक्रवार को ही बसपा प्रमुख मायावती ने मुख्तार का टिकट काटने व किसी भी माफिया को टिकट न देने की घोषणा ट्वीट के माध्यम से दी थी। इसके साथ ही बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को टिकट देने की घोषणा की थी।

गौशाला नहीं सड़कें बनी आवारा जानवरों के लिए बसेरा

आवारा जानवरों का सड़क पर विचरण राहगीरों को देता मौत को दावत

अवध की आवाज

उरई (जालौन) ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें आबारा पशुओं का आशियाना बन गई है। माध गौगढ़ कुठौंद रोड पर ग्राम जाजेपुरा में दर्जनों की संख्या में पशु सड़क पर दिन रात विचरण करते हैं। इसके साथ मुख्य के जालौन रोड़ कोंच चौराहा भी आवारा पशुओं का अड्डा बन गया है इस आवारा पशुओं के विचरण करने से हमेशा दुर्घटनाएं होती रहती है। कई बार पशु के कारण सड़क जाम हो जाती है। दूध नहीं देने वाले पशुओं को सड़क पर आवारा छोड़ दिया जाता है आवारा पशु सड़क पर विचरण करते हैं। सड़क पर जहां तहां बैठे रहते हैं जिससे बाहनो के आवागमन में परेशानी होती है देखने कि बात ये कि अधिकारियों का वाहन प्रतिदिन इन सड़कों से होकर गुजरता है पर इस समस्या पर किसी का ध्यान नहीं जाता। ग्रामीण क्षेत्र

में बनी अस्थाई गौशाला शोपीस बनी हुई हैं।गौवंश दर दर भटकने को मजबूर तो वही किसानो की खरीफ की फसल भी नष्ट कर रहे ।स्थानीय प्रशासन बना मूक दर्शक बना हुआ है। आवारा गायो की इस समय जो दुर्दशा है उसका बखान कर पाना शायद ही मुमकिन है।लेकिन सरकार के आदेशो के बाबजूद भी ग्रामीण क्षेत्रो मे गौवंश दर दर को ठोकरे खाने को मजबूर है।बताते चले कि सरकार की मंशा के अनुरुप आवारा गायो को चिन्हित कर उनके खाने पीने की व्यवस्था ब्लाक स्तर से की गयी।लेकिन अपनी आमदनी के चक्कर मे तैनात कर्मचारी सिर्फ अपनी जेबें भरने में लगे हुए है।गांव मे बनी गौशालायें सफेद हाथी बनी हुई है।इतना ही नही गाय सडको पर गलियो मे तथा कीचड मे खडे होकर बरसात के दौरान खडे रहने को मजबूर है।भूख प्यास से परेशान गौवंश कही इधर कही उधर भटकने को मजबूर है।लेकिन न तो गांव के कोई जिम्मेदार और न ही कोई स्थानीय प्रशासन इस ओर ध्यान दे रहा है। आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या लोगों के लिए सिरदर्द और जान को खतरा बन रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने आखों में पर पट्टी बांध रखी है ऐसे में कभी किसी के साथ हादसा हुआ तो फिर जिम्मेदारों का जवाब देना भारी पड़ेगा। हालाकि जान की कोई कीमत नहीं होती है लेकिन हादसे पर मुआवजा राशि जिम्मेदार अधिकारियों की जेब से दिलाई जाए तो उनकी आंखें खुल सकती है।

व्यावसायिक सम्पत्तियों की नीलामी करेगा एलडीए

अवध की आाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि प्राधिकरण की आय बढ़ाने के लिए पारदर्शिता एवं प्रतिस्पर्धा रखने के उद्देश्य से व्यावसायिक सम्पत्तियों की ई–नीलामी दिनांक 26.10.2021 को की जायेगी। इस सम्बन्ध में व्यापक जानकारी देते हुए व्यावसायिक सम्पत्तियों के प्रभारी अमित राठौर ने बताया कि प्राधिकरण की गोमतीनगर योजना में दुकानों तथा व्यावसायिक भूखण्डों, गोमतीनगर विस्तार योजना में हेल्थ सेन्टर एवं व्यावसायिक भूखण्डों के साथ ही सेक्टर–4 में सरस्वती अपार्टमेण्ट के बगल में निर्मित कन्विनिएन्ट दुकानों, सी.जी. सिटी में व्यावसायिक, मॉल, सी.एन.जी. फिलिंग स्टेशन, होटल, सिटी क्लब, स्कूल तथा मिश्रित भू–उपयोग के भूखण्डों, कानपुर रोड योजना में लोकल तथा कंवीनियन शॉप के भूखण्डों, शारदानगर योजना के रजनी खण्ड में व्यावसायिक भूखण्डों एवं सामुदायिक केन्द्रों, बंसतकुंज (हरदोई रोड) योजना में शॉपिंग मॉल, पेट्रोल पम्प एवं व्यावसायिक भूखण्डों तथा जानकीपुरम योजना में नर्सिंग होम, हेल्थ फैसेलिटिज एवं व्यावसायिक भूखण्डों की ई–नीलामी की जा रही है। उपरोक्त योजनाओं में भूखण्डों क्रय हेतु इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाऐं प्राधिकरण के पोर्टल ण्सकंवदसपदमण्बवण्पद पर सम्पत्तियों का सम्पूर्ण विवरण देख सकते हैं। नीलामी में भाग लेने के लिए ई–ऑक्शन पोर्टल ण्मंनबजपवदसकंण्पद पर दिनांक 14.09.2021 से दिनांक 20.10.2021 तक पंजीकरण कराया जा सकता है। पंजीकृत व्यक्ति दिनांक 26 अक्टूबर, 2021 को नीलामी में भाग ले सकते हैं। उपरोक्त भूखण्डों के साथ ही विभिन्न योजनाओं में निर्मित व्यावसायिक केन्द्रों में आवंटन से रिक्त दुकानों की नीलामी भी की जा रही है। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाऐं प्राधिकरण के पोर्टल ण्सकंवदसपदमण्बवण्पद पर सम्पत्तियों का सम्पूर्ण विवरण देख सकते हैं। नीलामी में भाग लेने के लिए ई–ऑक्शन पोर्टल ण्मंनबजपवदसकंण्पद पर दिनांक 16.09.2021 से दिनांक 25.10.2021 तक पंजीकरण कराया जा सकता है। पंजीकृत व्यक्ति दिनांक 30 अक्टूबर, 2021 को नीलामी में भाग ले सकते हैं। लखनऊ शहर में अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने का यह सुनहरा अवसर है।

जनता ने भरी हुंकार 22 में फिर बनेगी भाजपा की सरकार

अवध की आवाज

निघासन खीरी। भारतीय जनता पार्टी की निघासन के 82 नंबर के बूथ अध्यक्ष शिव कुमार पांडे के घर पर वक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी

का बुथ विजय अभियान का लाइव संबोधन सुन 138 विधानसभा के लोकप्रिय विधायक शशांक वर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को शशांक वर्मा ने संगठन के बारे में कार्यकर्ताओं को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पदाधिकारी से ज्यादा कार्यक्रता का ज्यादा महत्व होता है क्योंकि पदाधिकारी आज है कल पूर्व हो जाएगा।और बूथ अध्यक्ष का महत्वपूर्ण पद होता है।और बताया कि कार्यक्रता ही नेता बनाता है।जब आप अपने मन में ठान लेंगे तब आप.काम कर पायेंगे संगठन कभी हार मानने वाला नही है सभी कार्यक्रता क्षेत्र में जायें जन जन तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताएं पूरे भारत में योजना के द्रस्तिकोण के हिसाब से बारह करोड़ लोगों को लाभ मिला है।कार्यक्रम भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष कन्हैया लाल वर्मा, पीयूष दीक्षित, अशोक चौधरी, रामकुमार मौर्य, मंडल मंत्री प्रदीप गुप्ता, हरि शंकर वर्मा, पिंटू कनौजिया, मनोज श्रीवास्तव एवं समस्त भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवैध निर्माणी किया सील

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा

लखनऊ शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही जारी रखने के निर्देशों के क्रम में आज निम्नानुसार कार्यवाही की गई। प्रवर्तन, जोन–1 के विहित प्राधिकारी आनन्द कुमार सिंह ने बताया कि दिग्विजय सिंह व अन्य द्वारा भूखण्ड संख्या 2ध 841–बी के बगल में, विवेक खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ पर अनाधिकृत निर्माण किये जाने पर उसे सील किये जाने के आदेश दिये गये थे। उपरोक्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आज अधिशासी अभियंता अवनीन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में सहायक अभियंता श्री अजय गोयल, अवर अभियंता श्री रवि प्रकाश यादव व श्री जितेंद्र कुमार द्वारा प्राधिकरण व क्षेत्रीय पुलिस बल की सहायता से सील किया गया।

पत्रकार समाज कल्याण समिति मासिक की बैठक जनपद बरेली स्टेशन रोड होटल में संपन्न

अवध की आवाज

बरेली। पत्रकार समाज कल्याण समिति मासिक की बैठक जनपद बरेली स्टेशन रोड होटल में संपन्न हुई मंडल अध्यक्ष विशाल श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष रईस खान घूमने कुछ नई घोषणा करते हुए पत्रकारों की समस्याओं को सुना और उसके निस्तारण हेतु अपने जिले के पदाधिकारियों से

स्थानीय संबंधित समस्याओं आए दिन जो पत्रकार के साथ हो रही है स्थानीय पदाधिकारी समस्या का निस्तारण करें और अगर विस्तारिया अधिकारी उनको संज्ञान लेते हुए अधिकारी से बात कर पत्रकार को न्याय दिलाने का कार्य करें जिला अध्यक्ष रईस खान जिला महामंत्री मिलन कौशिक टंडन गुलरेज खान मोबीन सर्वेश काफी पदाधिकारी बैठक में मौजूद है।

सम्पादकीय

हिंदी से हटती नई पीढ़ी

हिंदी एक भाषा ही नहीं, भरी–पूरी संस्कृति है और इसलिए उसे सीखना केवल भाषा–ज्ञान भर नहीं है। बदलाव की अनिवार्यता के चलते जब रहन–सहन, खानपान, रीति–रिवाज आदि सभी बदलते जा रहे हैं तो जाहिर है भाषा भी बदलेगी। भाषा का यह बदलाव हमारी संस्कृति के बदलाव से जुड़ा है और उसके विकास के लिए हमें समसामयिक समाज के बदलाव को भी देखना होगा। इस आलेख में इस विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। हिंदी एक भाषा के रूप में न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि यह हमारे जीवन–मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। यह अत्यधिक सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ एक वैज्ञानिक भाषा भी है। इस वजह से विश्व में हिंदी बोलने, समझने और चाहने वाले लोगों की संख्या भी बहुत अधिक है। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। यह हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु के समान है। हिंदी की वजह से ही हमारी विश्व में एक अलग ही पहचान है। यह हमें दुनियाभर में मान–सम्मान और गर्व दिलाती है, क्योंकि हिंदी भाषा हमारे देश की संस्कृति और संस्कारों की अभिव्यक्ति करती है।

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमत से यह निर्णय लिया था कि हिंदी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इसी महत्त्वपूर्ण निर्णय के महत्त्व को प्रतिपादित करने तथा हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए 'राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर वर्ष 1953 के उपरांत हर साल संपूर्ण भारत में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है, किंतु देश में तकनीकी और आर्थिक विकास के साथ ही अंग्रेजी भी हमारे देश पर हावी होती जा रही है। अंग्रेजी के बढ़ते वर्चस्व के कारण अब हिंदी बोलने वाले को अनपढ़ या गंवार के समान देखा जाता है।

विडंबना है कि हम, हमारे ही देश में हिंदी भाषा को वह मान–सम्मान नहीं दे पा रहे हैं जो अब अंग्रेजी को मिलने लगा है। आज की नई पीढ़ी हिंदी से दूर हो रही है। इसका सबसे प्रमुख कारण पश्चिमी संस्कृति को माना जा सकता है, जहां धारा–प्रवाह अंग्रेजी संभाषण ही मुख्य भूमिका में होता है। दूसरी तरफ, विदेशों में हिंदी सही दिशा में आगे बढ़ रही है। विभिन्न देशों में हिंदी का सम्मान किया जा रहा है। कई विदेशी विश्वविद्यालयों में वहां के स्थानीय विद्यार्थी हिंदी सीख रहे हैं, जबकि हमारे हिंदी भाषी राष्ट्र में अभिभावक स्वयं ही हिंदी को पिछड़ेपन की निशानी मान रहे हैं। भाषा मूल रूप से अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। प्राचीन समय में भाषा केवल वाचिक परंपरा के माध्यम से व्यक्त होती रही है, फिर धीरे–धीरे ताम्रपत्रों व शिलाओं में भाषा को लिखित रूप में व्यक्त किया जाने लगा। नौवीं शताब्दी में चीन में लकड़ी पर मुद्रण शुरू हुआ। 868 ईस्वी में चीन में तांग वंश के शासन में 'स्वर्ण सूत्र नामक पुस्तक मुद्रित की गई। हिंदी का साहित्यिक इतिहास 12वीं शताब्दी में पाया जाता है। हिंदी का पहला समाचार पत्र (साप्ताहिक) 'उदंत मार्तंड (यानी समाचार सूर्य) जुगलकिशोर शुक्ल ने कलकत्ता से 30 मई 1826 को प्रकाशित किया था। तब से हिंदी का प्रचार–प्रसार होना भी शुरू हो गया जो अब टीवी, रेडियो एवं इंटरनेट तक पहुंच गया है। फिर भी हिंदी को हम वह स्थान नहीं दे पा रहे हैं जिसकी वह वास्तविक हकदार है। किसी भी भाषा का विकास उसके साहित्य पर निर्भर करता है। इसलिए आज के आधुनिक और वैज्ञानिक युग में चिकित्सा, अभियांत्रिकी और सूचना–प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी हिंदी में काम को बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए हिंदी भाषा में तकनीकी ज्ञान से संबंधित साहित्य का सरल रूप में अनुवाद किया जाना चाहिए। वर्तमान में 'राजभाषा विभाग द्वारा राष्ट्रीय ज्ञान–विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन योजना के द्वारा हिंदी में ज्ञान–विज्ञान की पुस्तकों के लेखन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे अब हमारे यहां ज्ञान–विज्ञान संबंधी पुस्तकें हिंदी में उपलब्ध होंगी।

कोई भी भाषा तब ही जीवंत रह सकती है जब उसका प्रयोग लोगों द्वारा किया जाए। इसलिए हमें अपनी बोलचाल की भाषा में हिंदी का ही उपयोग करना चाहिए। साथ ही हिंदी भाषा का प्रचार–प्रसार भी होते रहना जरूरी है। इसके अतिरिक्त हिंदी भाषा के माध्यम से शिक्षित युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें, इस दिशा में सरकार को निरंतर प्रयास भी करना चाहिए। भारत में लोगों के बीच संवाद का सबसे बेहतर माध्यम हिंदी है। इसलिए इसे एक–दूसरे में प्रचारित करना चाहिए। हमें यह भी समझना होगा कि बच्चे गीली मिट्टी के समान होते हैं। बचपन में उनको जो सिखाया जाता है, जीवन भर के लिए उनके मन–मस्तिष्क पर वही वैचारिक पश्ष्ठभूमि बनी रहती है। हमें अपने बच्चों को अपनी परंपरा का वास्तविक चित्र दिखाना होगा। वर्तमान पीढ़ी अपनी भाषा से दूर होने के साथ ही संस्कारों से भी दूर हो रही है, जिससे पाश्चात्य संस्कृति को बढ़ावा मिलने लगा है। हम जिस भाषा को महत्त्व देते हैं, उसी भाषा की संस्कृति सीखते–समझते हैं। इसलिए बच्चों को संस्कारों से जोड़े रखने के लिए अपनी भाषा से जोड़े रखना जरूरी है। आज हमें अपनी आत्मा और मन को जगाने की आवश्यकता है। हमें हिंदी के विशेष महत्त्व को नई पीढ़ी के मन में महसूस कराना होगा। हिंदी को भूलने के बजाय इसे अंतःमन से सहर्ष स्वीकार करके सम्मान देने से ही यह बच पाएगी, अन्यथा नहीं। हिंदी को सम्मान का मतलब है इसे अपने दिल की भाषा जानकर सम्मान से अपने जीवन में अपनाना। इस सोच को बदलना होगा कि अंग्रेजी बोलने से आदमी विद्वान बन जाता है और हिंदी बोलने वाला अज्ञानी रह जाता है। हम बढ़िया हिंदी बोलें और लिखें और हमारे बच्चे भी बढ़िया हिंदी बोलें और लिखें। जब हर घर हिंदी होगी, तो यह हमारी बिंदी होगी। दूसरी भाषाओं को कोस कर नहीं, बल्कि हिंदी को अपना कर हम इसे सम्मान का दर्जा दे सकते हैं। तभी इसे राष्ट्रभाषा का औपचारिक दर्जा मिल पाएगा।

परिवार के सतर्कता व सावधानी से आत्महत्या को रोका जा सकता है

डॉ मनोज कुमार तिवारी
वरिष्ठ परामर्शदाता
ए आर टी सेंटर, एसएस हॉस्पिटल, आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी

विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (10 सितम्वर) पर विशेष

विश्व आत्महत्या निवारण दिवस का उद्देश्य लोगों को आत्महत्या के निवारण के उपायों से अवगत कराना है। कोरोना महामारी के कारण आत्महत्या के विचार एवं प्रयास में वृद्धि देखी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वर्ष का नारा दिया है– कार्यवाही के द्वारा आशा जगाना। निराशा आत्महत्या के लिए एक बड़ा कारण है व्यक्ति में आशा का संचार करके आत्महत्या को रोका जा सकता है। आत्महत्या एक असामान्य व्यवहार है जिसमें प्राणी स्वयं की हत्या करता है। पहले व्यक्ति में बार–बार आत्महत्या के विचार आते हैं, वह अनेक प्रश्नों से जूझता रहता है और फिर आत्महत्या का प्रयास करता है। आत्महत्या के सभी प्रयास सफल नहीं होता है, आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि 25 व्यक्तियों व्दारा आत्महत्या का प्रयास करने पर उनमें से एक व्यक्ति की मौत होती है।

दुनिया में हर 40 सेकेंड पर एक व्यक्ति की मृत्यु आत्महत्या से होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विगत 45 वर्षों में आत्महत्या की दर में लगभग 60: की वृद्धि हुई है। वर्ष में लगभग 10 लाख लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण होती है। विश्व में होने वाले कुल आत्महत्या में से 21: आत्महत्या भारत में होती है। भारत में प्रति एक लाख में 11 लोग आत्महत्या करते हैं। लैंसेट पब्लिक पत्रिका के अनुसार विश्व की कुल 18: महिलाएं भारत में रहती हैं जबकि विश्व में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले कुल आत्महत्या में भारतीय महिलाओं की हिस्सेदारी 36: है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (2019)

के अनुसार भारत में हर 4 मिनट में एक आत्महत्या होती है। 15 – 24 वर्ष के लोगों के मृत्यु का आत्महत्या दूसरा सबसे बड़ा कारण है। महिलाओं द्वारा आत्महत्या का प्रयास 3 गुना अधिक किया जाता है। 81: लोग आत्महत्या करने से पूर्व इसका संकेत अवश्य देते हैं किसी ने किसी से इसके बारे में चर्चा करते हैं या लिखते हैं।

कोरोना महामारी के कारण लोग तनाव, दुश्चिंता, भय, अनिश्चितता, आर्थिक समस्याएं, नकारात्मक संवेग, क्रोध, नींद की समस्या, नौकरी छोड़ जाने, नशे का अधिक प्रयोग, अकेलापन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रहें हैं, जो आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाते हैं। सुसाइड प्रीवेंशन इंडिया फाउंडेशन (एसपीआईएफ) ने एक सर्वे के आधार पर बताया कि कोरोना महामारी के कारण लोगों में आत्महत्या के विचार व प्रयास कई गुना बढ़ गया है।

आत्महत्या के कारण हैं–

आर्थिक तनाव सामाजिक अलगाव की स्थिति प्रिय जनों से मुलाकात न कर पाना रु स्वस्थ मनोरंजन की कमी।नौकरी छूट जाना। सामुदायिक क्रियाकलापों में शामिल न होना। धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता न करना। घरेलू कलह। समायोजन संबंधी समस्याएं। अनिश्चितता एवं भय का माहौल।मानसिक विकार । भावनाओं पर नियंत्रण न रख पाना रु समायोजन क्षमता की कमी

आत्महत्या का विचार रखने वाले व्यक्ति के लक्षण–

बार–बार मरने की इच्छा व्यक्त करना वास्तव में व्यक्ति आत्महत्या करने से पूर्व अपने परिवार, दोस्त व परिचितों से इसके बारे में चर्चा करता है ताकि लोग उसकी सहायता करें ।

निराशावादी सोच प्रकट करना कहना कि मैं जी कर क्या करूंगा, मेरे जीवन का कोई उद्देश्य नहीं है।

उच्च स्तर का दोष भाव व्यक्त करना।

असहाय महसूस करना।

अपने को मूल्यहीन समझना

जोखिम पूर्ण व्यवहार करना

अचानक से व्यवहार एवं दिनचर्या में परिवर्तन होना

नशे का बहुत अधिक उपयोग करना

अपने पसंदीदा कार्यों में भी अरुचि दिखाना

परिवार व मित्रों से दूरी बना लेना

स्वयं को समाप्त करने का अवसर एवं साधन तलाश करना।

आत्महत्या निवारण के उपाय–

शारीरिक, मानसिक एवं साम्बेगिक रुप से लोगों से जुड़े रहें क्योंकि अकेलापन आत्महत्या के लिए एक बड़ा जोखिम कारक है। अपने उत्साह को बनाए रखें तथा दूसरों का भी उत्साहवर्धन करते रहें। स्वास्थ संबंधी समस्या होने पर उपचार कराएं। अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मन में आत्महत्या का विचार आने पर प्रशिक्षित एवं अनुभवी मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें।

धैर्य बनाए रखें। धनात्मक सोच रखें उन स्थितियों पर ध्यान दें जो आपके नियंत्रण नियंत्रण में हो। अपने रुचियां व शौक को भी पर्याप्त समय एवं महत्व प्रदान करें। स्वस्थ मनोरंजन करें। परिवार के साथ धनात्मक समय व्यतीत करें। बच्चों के साथ खेलें। अपने सृजनात्मक क्षमताओं का विकास करें। अपने को स्वयं प्रेरित करें। जीवन के अच्छे दिनों एवं घटनाओं का स्मरण करें।

आत्महत्या निवारण में परिवार की भूमिका

आत्महत्या के विचार रखने वाले व्यक्ति से बातचीत करें ताकि वह अपनी भावनाओं को साझा कर सकें रु ऐसे व्यक्ति को सांत्वना एवं साम्वेगिक समर्थन दें। जिनमें आत्महत्या का उच्च जोखिम हो उन्हें अकेला कभी न छोड़ें।आत्महत्या के साधनों को उनसे दूर रखें

किसी को बार–बार दोष न दें तथा डांटे न।

परिवार में मनमुटाव की स्थिति को लंबे समय तक जारी न रखें।

परिवार में किसी बात को लेकर बहस हो तो उसे यथाशीघ्र समाप्त करने का प्रयास करें।

परिवार में आलोचनात्मक बातें नहीं होनी चाहिए। बातचीत में नकारात्मकता नहीं होनी चाहिए।

परिवार में सकारात्मक वातावरण बनाकर रखें।,

घर में अध्ययन, पूजा–पाठ व उत्सव को महत्व दें।

परिवार के साथ भोजन व चर्चा करें बच्चों को अच्छी कहानियां सुनाएं

परिवार में बुजुर्गों से सलाह मशविरा करते रहें।

निराशा का भाव दिखाई पड़े तो बातचीत करके उसका हौसला अफजाई करें।

आत्महत्या के लक्षण दिखाई पड़े तो मनोचिकित्सा के लिए प्रोत्साहित करें।

आत्महत्या निवारण में शिक्षकों की भूमिका–

छात्र की कमजोरियों को सार्वजनिक न करें। छात्र की गलतियों को व्यक्तिगत रूप से अवगत कराकर सुधार का अवसर दें। सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा न करें। दूसरे छात्रों से अतार्किक रूप से तुलना न करें।

छात्रों को क्षमता से अधिक निष्पादन के लिए दबाव न दें।

छात्रों के प्रति सौहार्दपूर्ण व सहयोगात्मक व्यवहार रखें।

छात्रों का उत्साहवर्धन करें।

छात्रों को समस्या समाधान में आत्मनिर्भर बनाएं।

छात्रों में परस्पर सहयोग की भावना का विकास करें छात्रों को ऐसे कार्य का अवसर दें जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े। छात्रों के व्यवहार में असामान्य परिवर्तन होने पर अभिभावक से बातचीत करें

स्कूल व कक्षा का वातावरण तनाव रहित रखें।

छोटे–छोटे प्रयासों के द्वारा हम सब मिलकर आत्महत्या को मात दे सकते हैं आत्महत्या को हराने के लिए हम सबको एक दूसरे के प्रति सौहार्दपूर्ण भावना के साथ सहयोग करने की प्रवृत्ति विकसित करनी होगी जो बचपन से ही परवरिश के माध्यम से बच्चों में विकसित किया जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद ने बजाया था भारतीय अध्यात्म का डंका

–योगेश कुमार गोयल–

अपने ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्त्वि के धनी माने जाते रहे स्वामी विवेकानंद 39 वर्षों के अपने छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में जन्मे नरेन्द्र नाथ आगे चलकर स्वामी विवेकानंद के नाम से विख्यात हुए, जो आधुनिक मानव के ऐसे आदर्श प्रतिनिधि और महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी युवाओं के लिए सदा प्रेरणास्रोत बनी रही। युवा शक्ति का आह्वान करते हुए उन्होंने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात् 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।'

ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्मकता का संचार करने का कार्य किया। उन्होंने ऐसे वैश्विक समाज की कल्पना की थी, जिसमें देश, धर्म, नस्ल या जाति के आधार पर इंसान–इंसान में कोई भेद न किया जाता हो। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे और बहुत कम उम्र में ही उन्होंने वेदों तथा दर्शन शास्त्र का ज्ञान हासिल कर लिया था।

जब कभी स्वामी विवेकानंद की चर्चा होती है तो अमेरिका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके ओजस्वी भाषण की चर्चा अवश्य होती है। आज से ठीक 128 वर्ष पूर्व विवेकानंद ने सिर्फ 30 साल की उम्र में विश्व धर्म संसद में जो भाषण दिया था, उसके जरिये उन्होंने न केवल अमेरिकावासियों का बल्कि पूरी दुनिया के लोगों का दिल जीत लिया था। हालांकि वे शिकागो की धर्म संसद में न तो भारत की किसी मान्य संस्था द्वारा भेजे गए प्रतिनिधि थे और न ही उन्हें किसी प्रकार का निमंत्रण मिला था बल्कि अपने अनुयायियों के अनुरोध पर उन्होंने वहां जाने का मन बनाया था और जब वे बोस्टन में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर राइट से मिले तो प्रो. राइट ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए विश्व धर्म संसद में उन्हें बतौर प्रतिनिधि सम्मिलित कराते हुए स्थान और सम्मान दिलाया। जब धर्म संसद की कार्यवाही शुरू हुई तो सभामंच पर भले ही वे एकमात्र भारतीय नहीं थे किन्तु सही मायने में हिन्दू धर्म के वहां वे एकमात्र प्रतिनिधि थे क्योंकि अन्य सभी प्रतिनिधि किसी न किसी संस्था, मत अथवा पंथ से संबद्ध थे। विश्व को समग्र हिन्दुओं के भावों का दिग्दर्शन करानेवाले एकमात्र वही थे और उस दिन उन्हीं के माध्यम से हिन्दू धर्म को एकसूत्रता तथा स्पष्टता प्राप्त हुई थी।

11 सितम्बर 1893 को शिकागो के 'विश्व धर्म सम्मेलन' में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरुआत जब उन्होंने 'मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की थी तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही थी। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया था और उसके बाद विदेशी मीडिया तथा वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान् व्यक्तित्व एवं ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी।

बात करते हैं स्वामी विवेकानंद के उस भाषण की, जो उन्होंने 1893 में शिकागो में दिया था और आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय माना गया था। अपने उस ओजस्वी भाषण में उन्होंने पूरी दुनिया के समक्ष भारत को एक मजबूत छवि के साथ पेश करते हुए कहा था, ''अमेरिका निवासी भगिनी और भ्रातशगण ! आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा दिल भर आया है। मैं दुनिया की सबसे पुरानी संत परम्परा और सभी धर्मों की जननी की ओर से आपको धन्यवाद देता हूं, सभी जातियों और सम्प्रदायों के लाखों–करोड़ों हिन्दुओं की ओर से आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस मंच पर बोलने वाले कुछ वक्ताओं का भी धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने यह व्यक्त किया कि दुनिया में सहिष्णुता का विचार पूर्व के देशों से फैला है। मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से हूं, जिसने सभी धर्मों और सभी देशों के सताए गए लोगों को अपने यहां शरण दी और जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढ़ाया है। हम सिर्फ सार्वभौमिक सहिष्णुता पर ही विश्वास नहीं करते बल्कि हम सभी धर्मों को सच के रूप में स्वीकार करते हैं।''

अपने उस भाषण में साम्प्रदायिकता और कट्टरता पर तंज कसते हुए स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि साम्प्रदायिकता, कट्टरता और इसके भयानक वंशजों के धार्मिक हठ ने लंबे समय से इस खूबसूरत धरती को जकड़ रखा है, जिन्होंने इस धरती को हिंसा से भर दिया है और कितनी ही बार यह धरती खून से लाल हो चुकी है, न जाने कितनी सभ्याताएं तबाह हुई हैं और कितने ही देश मिटा दिए गए। हिंसा के जरिये धरती को रक्तरंजित करने वाले लोगों पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा था कि यदि ये खौफनाक राक्षस नहीं होते तो मानव समाज आज के मुकाबले कहीं ज्यादा बेहतर होता। उन्होंने कहा था कि ऐसे लोगों का वक्त अब पूरा हो चुका है और मुझे उम्मीद है कि इस सम्मेलन का बिगुल सभी तरह की कट्टरता, हठधर्मिता और दुखों का विनाश करने वाला होगा, फिर चाहे वह तलवार से हो या कलम से।

शिकागो सम्मेलन को उस समय तक की सबसे पवित्र सभाओं में से एक बताते हुए उन्होंने गीता के उपदेशों का भी उल्लेख किया था, जिनमें कहा गया है कि जो भी मुझ तक आता है, चाहे कैसा भी हो, मैं उस तक पहुंचता हूं, लोग अलग–अलग रास्ते चुनते हैं, परेशानियां झेलते हैं, लेकिन आखिर में मुझ तक ही पहुंचते हैं। अपने प्रेरक भाषण में विवेकानंद ने कहा था कि जिस प्रकार अलग–अलग जगहों से निकली नदियां, अलग–अलग रास्तों से होकर अंततः समुद्र में मिल जाती हैं, ठीक उसी प्रकार मनुष्य अपनी इच्छा से अलग–अलग रास्ते चुनता है। ये रास्ते देखने में भले ही अलग–अलग लगते हों लेकिन ये सब ईश्वर तक ही जाते हैं।

स्वामी विवेकानंद के बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं खुद भूखे रहकर अतिथियों को खाना खिलाते थे और बाहर ठंड में सो जाते थे। मानवता के वे कितने बड़े हितैषी थे, यह उनके इस वक्तव्य से समझा जा सकता है कि भारत के 33 करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी–देवताओं की भांति मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी–देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए। विवेकानंद का व्यक्तित्व कितना विराट था, यह गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के इस कथन से स्पष्ट हो जाता है कि अगर आप भारत को जानना चाहते हैं तो आप विवेकानंद को पढ़िए।

भारतीय युवाओं के लिए विवेकानंद से बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आह्वान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

जब विवेकानंद शिकागो धर्म संसद से भारत वापस लौटे तो उन्होंने समस्त देशवासियों का आह्वान करते हुए कहा था, ''नया भारत निकल पड़े मोची की दुकान से, भड़भूजे के भाड़ से, कारखाने से, हाट से, बाजार से, निकल पड़े झाड़ियों, जंगलों, पहाड़ों और पर्वतों से।'' उनके इस आह्वान के बाद कांग्रेस को स्वाधीनता संग्राम में देशवासियों का भरपूर समर्थन मिला और इस प्रकार वे भारतीय स्वाधीनता संग्राम के भी बहुत बड़े प्रेरणास्रोत बने।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हिंदुत्व के दर्शन से परिचित होने का दिन

–नरेन्द्र जैन–

जब अफगानिस्तान में कट्टर इस्लामिक उभार के कारण मानवता त्राहि–त्राहि कर रही है, तब कम्युनिस्ट जमात 'हिंदुत्व' को समाप्त करने के लिए उस अमेरिका में जुट रहे हैं। भारत और हिन्दू विरोधी ताकतें मानवतावादी दर्शन 'हिंदुत्व' के विरुद्ध किस हद तक षड्यंत्र रचती हैं, उसका नया उदाहरण है– 'वैश्विक हिंदुत्व को खत्म करनाः बहुआयामी परिप्रेक्ष्य' विषय पर अमेरिका में आयोजित तीन दिवसीय अकादमिक सम्मलेन। आयोजनकर्ताओं की मानसिकता को इस मूर्खतापूर्ण सम्मलेन की तिथियों के चयन से भी समझा जा सकता है। अमेरिका के इतिहास में 11 सितम्बर दो कारणों से अविस्मरणीय है। एक, इस्लामिक आतंक द्वारा अमेरिका की विश्व प्रसिद्ध इमारत वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला। दो, शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मलेन और वहां हिंदुत्व की गूँज। स्पष्ट है कि कम्युनिस्ट एवं हिन्दू विरोधी ताकतें उपरोक्त आयोजन के माध्यम से इस्लामिक कट्टरता/आतंक पर पर्दा डालकर हिंदुत्व पर हमलावर होना चाहते हैं। परन्तु हिंदुत्व के विरोधी न तो 1893 में उसे दबा पाए और न आज उसे खत्म कर सकते हैं। स्मरण रखें कि शिकागो के एतिहासिक धर्म सम्मलेन में एक अनजान युवा संन्यासी ने हिंदुत्व के विचार को प्रखरता के साथ सामने रखा तो दुनियाभर में धर्म के नाम पर रक्त बहाने वाले बगलें झांकने पर मजबूर हो गए थे।

यही कारण है कि 128 वर्ष बाद भी '11 सितम्बर' को न केवल भारत बल्कि मानवता में विश्वास रखने वाले सब लोग गर्व के साथ स्मरण करते हैं। इस दिन न केवल हिंदुत्व की पताका और ऊंची हुई, अपितु एक प्रखर भारतीय संन्यासी का भी विश्व पटल पर पदार्पण हुआ था। 11 सितम्बर, 1893 के पहले बंगाल छोड़कर शेष भारत में भी वह युवा संन्यासी अल्प परिचित ही था। शिकागो के विश्व धर्म सम्मलेन के मंच पर हिंदुत्व के स्वर को बुलंद करने वाला वह ओजस्वी वक्ता कोई और नहीं, युवा संन्यासी स्वामी विवेकानन्द थे। सम्मेलन में विवेकानन्द के अतिरिक्त भारत से अन्य प्रतिनिधि भी सहभागी हुए थे, लेकिन वे केवल अपने मत–सम्प्रदाय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। एकमात्र विवेकानन्द ही स्वयं को हिन्दू धर्म के प्रतिनिधि के रूप में स्थापित करने में सफल हुए।

भारत और हिन्दू धर्म के लिये यह उस समय की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी गई थी। उसका कारण था, भारत में सक्रिय मिशनरियों द्वारा पश्चिमी देशों में अपने निहित स्वार्थों के लिये हिन्दू धर्म और हिन्दू समाज को विकृत स्वरूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। स्वयं स्वामी विवेकानन्द ने अपनी पीड़ा इन शब्दों में व्यक्त की, वे पूछते हैं – 'बच्चों की पाठ्य–पुस्तकों में उन चित्रों की क्या सार्थकता है, जिनमें हिन्दू माता अपने बच्चों को गंगा में घड़ियाल के आगे फेंकती दर्शायी गई है ? माता काले रंग की है, किन्तु बच्चे को गोरा दिखाया गया है ताकि कुछ सहानुभूति उपजे और कुछ अधिक पैसा बटोरा जा सके। उन चित्रों का क्या अर्थ है जो दिखाते हैं कि एक व्यक्ति अपने हाथों से, किसी सिद्धि के लिये, अपनी ही पत्नी को जला रहा है ताकि वह प्रेत बनकर पति के शत्रु को सताये ? उन चित्रों का क्या अर्थ है, जिनमें बड़ी–बड़ी कारें मानवों को रौंद रही हैं ? वे कहते हैं कि मेमफिस में मैंने मिशनरियों में से एक को उपदेश करते सुना कि भारत के हर गाँव में बच्चों की हड्डियों से भरा एक–एक तालाब हैकृकृकृ। ईसा के इन चेलों का हिंदुओं ने क्या बिगाड़ा है कि हर ईसाई बच्चे को यह सीख दी जाती है कि हिन्दुओं को निकम्मा शैतान और दानव कहे।' मिस मेयो मदर इंडिया नाम की पुस्तक लिखकर हिन्दुओं को बदनाम करने का अभियान चला जा रहा था, जिसे गाँधीजी ने गंदी नाली के जमादार की रिपोर्ट कहा था। बिशप हेबर जैसे ईसाई मिशनरीज भारत के बारे में लिख रहे हैं – 'जहाँ प्रत्येक सम्भावना प्रमुदित करती है, परन्तु मनुष्य अधम है।'

ऐसा नहीं था कि इसके पूर्व भारत के कोई सांस्कृतिक प्रतिनिधि अमेरिका सहित पश्चिम के देशों में गये नहीं थे। इसके पूर्व हुए धर्म सम्मेलन में भी भारत के विभिन्न मत–सम्प्रदाय के प्रतिनिधि भाग ले चुके थे। शिकागो धर्म संसद में भी विवेकानंद जी के अतिरिक्त वहाँ ब्रह्म समाज के प्रताप मजूमदार, मुंबई से नागरकर थियोसफी के प्रतिनिधि एनिबेसेंट, जैन समाज के वीरेन्द्र गाँधी एवं बौद्ध प्रतिनिधि धर्मपाल भी प्रतिभागी के नाते सम्मिलित हुए। इस वातावरण में हिन्दू धर्म की श्रेष्ठता स्थापित करना उस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता थी, जिसको स्वामी जी स्थापित करने में सफल हुए।

11 सितम्बर को प्रारम्भ होकर 17 दिन चलने वाले विश्व धर्म सम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य भी दुनिया के धर्मों के बीच ईसाई धर्म की श्रेष्ठता स्थापित करना था, जिसकी पुष्टि सम्मेलन के सभापति जॉन हेनरी बेरोज के बयान से होती है। सभापति जॉन हेनरी बेरोज ने आशा व्यक्त की कि धर्म संसद के समापन पर इस तथ्य को सहज स्वीकृति मिल जाएगी कि ईसाईयत विश्व का सर्वश्रेष्ठ धर्म है। जिनको मूर्ति पूजकों को समकक्ष बिठाने पर आपत्ति थी उनको उत्तर देते हुए बेरोज ने कहा कि सलीब के सुदीप्त आलोक में जो लोग हैं, उन्हें जो धूमिल प्रकाश में मार्ग तलाश रहे हैं, सभी लोगों के प्रति भ्रातश्भाव रखना चाहिए। इसके बावजूद दुनिया भर के पादरियों ने आयोजकों पर ईसाईयत के विरुद्ध विश्वासघात का आरोप लगाया। ईसाई पादरी गैर ईसाई जगत के समक्ष ईसाईयत की श्रेष्ठता स्थापित करने के असाधारण अवसर के रूप में इसे देख रहे थे। वे इसके माध्यम से ईसाईयत का अधिकाधिक प्रदर्शन चाहते थे।

इधर, स्वामी विवेकानंद ने 11 सितम्बर के अपने प्रस्ताविक भाषण में ही शिकागो सभा के 4000 से अधिक विद्वत वर्ग को न केवल अभिभूत किया बल्कि आयोजकों के ईसाई धर्म की श्रेष्ठता के सपने को ही ध्वस्त कर दिया। उनके 'अमेरिकन बहिन एवं भाइयों' के सम्बोधन मात्र से पूरा हाल कई मिनट तक तालियों की गूंज से निनादित होता रहा। इन दो शब्दों ने चमत्कारिक प्रभाव छोड़ा। इसका कारण था। इस संन्यासी द्वारा स्त्री को पहला स्थान देना और सारे विश्व को कुटुम्ब मानकर संबोधित करना। इन शब्दों में भारतीय चिंतन की वसुधैव कुटुम्बकम की विशालता अभिव्यक्त हो रही थी। अपने पाँच मिनट के भाषण में ही उन्होंने दुनिया के सामने हिन्दू दर्शन एवं हिन्दुत्व को स्वीकार्यता दिला दी।

उन्होंने कहा– 'मुझे गर्व है कि मैं ऐसे धर्म का अनुयायी हूँ जिसकी पवित्र भाषा संस्कृत में अंग्रेजी के अन्यतावादी (म•बसनेपवद) का कोई पर्यायवाची शब्द नहीं है। मुझे ऐसे देश के व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी की समस्त जातियों एवं विभिन्न धर्मों के बहिष्कृत मतावलंबियों को आश्रय दिया। जिस वर्ष यहूदियों का पवित्र मंदिर रोमन जाति के अत्याचार से मिट्टी में मिला दिया गया, उसी वर्ष कुछ यहूदी आश्रय लेने दक्षिण भारत के तट पर उतरे तो हमारी जाति ने उन्हें सीने से लगा लिया। उन्हें अपनी उपासना पद्धति के अनुसार उपासना करने पर सहमति दी। पारसियों की रक्षा की। अब भी भारत उनका पालन–पोषण कर रहा है।

अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने सेमेटिक मानसिकता पर प्रबल प्रहार किया। उन्होंने कहा– 'मैं आशा करता हूँ जो घंटे आज सुबह सभा के सम्मान में बजे, वे समस्त कट्टरताओं, तलवार एवं लेखनी के बल पर किये जाने वाले अत्याचारों एवं पारस्परिक कटुता की मश्त्यु सिद्ध होंगे।' इस सम्मेलन में स्वामी जी का दूसरा भाषण 15 सितम्बर को हुआ। विषय था– 'सम्प्रदाय में भ्रातश्भाव'। सम्प्रदाय की श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिये एक–दूसरे को बुरा कहने को बंद करने का आह्वान करते हुए स्वामी जी ने कूप मंडूक की कथा सुनाई। 19 सितम्बर को प्रमुख भाषण हुआ, विषय था– 'हिंदू धर्म'। उन्होंने कहा–'हिंदू धर्म की अभ्यांतरिक शक्ति अनेक पंथों–मतों के उद्भव में है। इसके विपरीत यहूदी धर्म, ईसाई धर्म को न पचा पाने के कारण अब केवल अवशेष मात्र रह गया है। हिंदू धर्म में आत्मा की जो व्याख्या है, पश्चिम में आत्मा जैसी कोई कल्पना नहीं है। पुनर्जन्म, कर्मवाद, निष्काम कर्म पर भारतीय चिंतन में प्रकाश डाला गया है। मनुष्य पापी नहीं, अमश्त पुत्र है। उसमें स्वयं भगवान बनने की क्षमता है। मूर्ति पूजा प्रथम सीढ़ी है।'

20 सितम्बर को उन्होंने भारत में मिशनरियों द्वारा चलाये जा रहे धर्म परिवर्तन पर ही प्रश्न खड़ा करते हुए कहा– 'भूखे लोगों को धर्म का उपदेश देना, उनका अनादर एवं तिरस्कार करना है। हिंदुस्थान के लोगों को अन्न–रोटी और वस्त्र की आवश्यकता है। आध्यात्मिक ज्ञान की नहीं।' 26 सितम्बर को हिंदू धर्म का बौद्ध धर्म के साथ सम्बन्ध पर भाषण हुआ। 27 सितम्बर को अपने अंतिम भाषण में उन्होंने कहा– 'यदि कोई यह कल्पना कर रहा है कि इस सम्मेलन में एक धर्म की विजय और बाकी का विनाश साबित होगा तो आशा व्यर्थ है।'

आज जो ताकतें हिंदुत्व को समाप्त करने का दिवास्वप्न पालकर अमेरिका में ही आयोजित 'वैश्विक हिंदुत्व को खत्म करनाः बहुआयामी परिप्रेक्ष्य' सम्मलेन में एकत्र होकर विचारों की जुगाली करने वाली हैं, उनकी मंशा भी निश्चित ही व्यर्थ है। हिंदुत्व तो अपनी प्रखरता के साथ क्षितिज पर चढ़ता जा रहा है। उस पर धूलि डालना मूर्खों और कूप–मंढूकों का ही कार्य है।

(लेखक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यक्षेत्र प्रचार प्रमुख हैं।)

सरकार बनने पर बूथ कार्यकर्ता को दिलाऊँगा सम्मान–प्रदीप तिवारी

अवध की आवाज

मनकापुर गोंडा समाजवादी पार्टी के फ्रंटल संगठन ष्लोहिया वाहिनीष् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रदीप तिवारी ने विधानसभा

गोण्डा सदर के विकासखंड झंझरी की ग्रामसभा जानकीनगर के मजरे रानीपुरवा में जनसभाको सम्बोधित करते हुए कहा कि बूथ स्तर के पदाधिकारी ही समाजवादी पार्टी की रीढ़ हैं, इनकी मेहनत से ही सरकारें बनती है, 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी के हाथों बूथ के साथियों का सम्मान कराऊंगा।

श्री तिवारी ने 4 बूथ के सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि वो दिन दूर नहीं जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी उत्तर प्रदेश के यशश्वी मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे, शपथ लेते ही सबसे पहले समाजवादी पार्टी के बूथ कार्यकर्ता का सम्मान होगा। सभा को संबोधित करते हुए गोण्डा सदर के पूर्व प्रत्याशी सूरज सिंह ने कहा कि मौजूदा सरकार में व्याप्त महँगाई, भ्रष्टाचार, पुलिस उत्पीड़न, किसानों की दुर्दशा, छुट्टा जानवरों का आतंक, बेरोजगारी, फर्जी मुकदमे, बिगड़ी कानून व्यवस्था, सरकारी कर्मचारियों के साथ नाइंसाफी, धनउगाही आदि ने जनता की कमर तोड़ रखी है। प्रदीप तिवारी का भव्य स्वागत दर्जीकुआँ चौराहा, खोंरहंसा, पराग डेरी, पेरी पोखर, मुन्नन खां चौराहा सहित आदि स्थानों पर हुआ। प्रदीप तिवारी ने पूर्व मन्त्री पंडित सिंह के आवास पहुँच कर उन्हें याद कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।चंदापुर में श्री तिवारी का भव्य स्वागत व जनसभा का आयोजन डॉ अभिषेक सिंह द्वारा सैकड़ों समाजवादी साथियों के साथ किया गया।

जिलामुख्यालय पर धरना–प्रदर्शन के माध्यम से ग्राम न्यायालय स्थापना का होगा विरोध

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा उक्त के सम्बन्ध मे एक प्रेस वार्ता कर दी जानकारी पूर्व सूचना के अनुसार शनिवार दोपहर बारह बजे जिला बार एसोसिएशन

गोण्डा के सभागार मे एक प्रेस वार्ता आयोजित हुई। वार्ता के दौरान अध्यक्ष दीनानाथ त्रिपाठी ने बताया की करीब एक माह पूर्व से हम सभी अधिवक्ता साथी हड़ताल पर है। कारण तहसील मुख्यालय पर व्याप्त भ्रष्टाचार, न्यायालय की पंग व्यवस्था, व आम जन को नही मिल रहा है न्याय सहित कई मुद्दो को लेकर हड़ताल पर है। साथ ही तहसील के मुद्दो को लेकर हुई। वार्तालाप से क्षुब्ध तहसीलदार सदर व नायब तहसीलदार ध ानेपुर द्वारा दर्ज कराये गये। मुकदमे से विचलित अधिवक्ताओ को अपनी मांग को लेकर जिलाधिकारी गोण्डा से कई बार वार्ता हुई। दो बार समित बनी परन्तु नतीजा शून्य रहा है। इन सब के पीछे जिलाअधिकारी गोण्डा को अहम रोल दिखाई दे रही है। इसी बीच जिला मुख्यालय से एक मुंसिफ कोर्ट की स्थापना तहसील मनकापुर मे कर दिया गया जिसके चलते दोनो बार की संयुक्त बैठक कर डी जे गोण्डा व जिला अधिकारी गोण्डा को ज्ञापन दिया गया। साथ ही मांग की गयी की ग्राम न्यायालय अधिनियम दो हजार आठ, विधि आयोग ने ग्राम न्यायालय के सम्बन्ध मे आम जन, सामान्य व्यक्ति को त्वरित सस्ता और सारवान् न्याय उपलब्ध कराया जा सके। जो किसी तहसील परिसर मे स्थापित होने से सम्भव नही है। ग्राम न्यायालय की ष्थापना किसी जिले मे मध्यवर्ती स्तर पर प्रत्येक पंचायत या मध्यवर्ती स्तर पर समीपस्थ पंचायतो के समूह के लिए है। अगर ऐसी व्यवस्था न हो तो समीपस्थ पंचायतो के समूह के लिए की जायेगी। परन्तु जनपद न्यायधीश गोण्डा ने ग्राम न्यायालय स्थापना के विधि विरूद्ध तहसील पर स्थापित कर दिये है। इस कारण से हम सभी अधिवक्ता हड़ताल पर है तथा कल सिविल बार एसोसिएशन के सभागार मे एक आवश्यक बैठक कर अगली रणनीत तैयार की जायेगी। हम कल भी हड़ताल पर रहेंगे उसी प्रकार अम्बेडकर चौराहे पर जलूस प्रदर्शन किया जायेगा। प्रेस कांफ्रेंस मे मनोज कुमार सिंह महामंत्री, सन्तोषी लाल तिवारी वरिष्ठतम उपाध्यक्ष, अरविन्द कुमार पाण्डेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुरेंद्र कुमार मिश्र, रमेश कुमार दूबे, अनुपम शुक्ल, राजकुमार कुमार चतुर्वेदी, रजनीश कुमार पाण्डेय, रामू प्रसाद सहित सम्पूर्ण कमेटी उपस्थित रही।

चूल्हे की चिंगारी से गरीब का घर गृहस्थी जलकर खाक

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन ।देर रात चूल्हे में बची आग से किसान की घर मे आग लग गई जिसे देख जागे गृहस्वामी सहित ग्रामीणों द्वारा मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया वही आग से घर गृहस्थी जलकर खाक हो गया। ज्ञातव्य हो कि थाना कदौरा क्षेत्र ग्राम पथरेहटा में बीती शुक्रवार की रात किसान सुंदर सिंह पुत्र संतराम के घर सभी लोग खाना खाकर सो रहे थे तभी अचानक गृहस्थी वाले घर मे आग लग गई ।बढ़ती आग देख घबराए किसान परिवार में चीख पुकार मच गई ।जिससे आस पास के ग्रामीण लोग भी शोर सुनकर मौके पर आ गए व बचाव कार्य करते हुए लोगो द्वारा आस पास हैंडपैप व अन्य साधन व घरो से पानी

फेंककर काफी देर बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन आग से किसान की गृहस्थी में गल्ला गैस चूल्हा सामग्री व घर की कच्ची लकड़ी की छत जलकर खाक हो गयी किसान व प्रधानप्रति सेवाराम पाल द्वारा बताया गया कि उक्त परिवार में महिलाएं चूल्हे में खाना बनाकर सोने चले गए एव चूल्हे में बची आग सुलगते हुए घर मे फैल गई जिससे घर गृहस्थी जलकर खाक हो गई ।बताया गया कि किसान का उक्त आग की घटना से काफी नुकसान हुआ है ।वही रात को मशक्कत के चलते बढ़ती आग को काबू में पाया जा सका वरना काफी कुछ नुकसान हो जाता ।जिसकी सूचना लेखपाल को दे दी गई है जिससे गरीब परिवार की कुछ मदद हो सके।

जनपद प्रभारी मंत्री ने विकास भवन में ली अधिकारियों के साथ बैठक

संचारीरोग नियंत्रण एवं कोविड–19 की रोकथाम के दिये निर्देश

अवध की आवाज

उरई(जालौन)। जनपद की प्रभारी मंत्री, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश श्रीमती नीलिमा कटियार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं कोविड–19 की रोकथाम के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रभारी मंत्री द्वारा कोरोना के एक्टिव केस, वैक्सीनेशन के संबंध में जानकारी की तथा यह भी पूछा कि कितने मरीज ठीक हुए हैं कितने आइसोलेशन वार्ड में है। जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराए गया कि जनपद में कुल संक्रमित मरीज 11566 जनपद में कुल स्वस्थ हुए व्यक्ति 11 354 जनपद में कुल मृत्यु हुई 201 वर्तमान में एक्टिव संक्रमित मरीज की संख्या 11 है। प्रभारी मंत्री द्वारा वैक्सीनेशन के कार्य में और अधिक तेजी लाएं जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजनमानस को वैक्सीनेशन हेतु और अधिक प्रेरित करे और अधिक से अधिक जनपद में वैक्सीनेशन कराया जाए। प्रभारी मंत्री द्वारा ऑक्सीजन प्लांट की संबंध में जानकारी की जिस पर बताए गया कि जनपद में 04 ऑक्सीजन प्लांट बनाए गए हैं जो क्रियाशील हो गए हैं। प्रभारी मंत्री ने निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में साफ–सफाई हेतु विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साफ–सफाई निरंतर कराई जाए तथा एंटीलार्वा का छिड़काव कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत राज कार्यालय में प्रभारी नियंत्रण हेतु कंट्रोल रूम भी बनाया जाए। प्रभारी मंत्री द्वारा शहरी क्षेत्र में साफ–सफाई हेतु जानकारी की जिस पर बताया गया कि निगरानी समिति द्वारा समन्वय स्थापित कर एंटीलार्वा का छिड़काव तथा साफ–सफाई निरंतर की जा रही है एवं भ्रमण

कर जहां गंदगी या जल भराव होता है उसे तुरंत साफ कराया जा रहा है, तीन गाड़ियों के माध्यम से संचारी रोग नियंत्रण तथा कोविड के संबंध में जागरूक कर क्या करें, क्या न करें इस संबंध में प्रचार प्रसार कराया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि स्कूल में आने वाले बच्चों को बताया जाए कि कोविड के नियमो का पालन कराया जाए स्कूलों में निरंतर हैंडवाश, मास्क का उपयोग किया जाए। प्रभारी मंत्री ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कहां–कहां टीमें गई हैं तथा कहां–कहां बुखार से पीड़ित मरीज है इस संबंध में एक प्रतिदिन चार्ट बनाया जाए। प्रभारी मंत्री द्वारा यह भी निर्देशित किया गया की ब्लड डोनेशन के लिए कैंप जल्द से जल्द लगाए जाए। प्रभारी मंत्री द्वारा प्राइवेट हॉस्पिटल में मच्छरदानी नहीं है ऐसे हॉस्पिटलों को चिन्हित किया जाए ऐसे हॉस्पिटलों पर प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के आसपास की स्थिति को देखें कि कहीं जल भराव तो एकत्र नहीं है तथा परिषदीय विद्यालयों के अंदर एक समिति बनाई गई थी उनसे संचारी रोग नियंत्रण तथा कोविड की रोकथाम के संबंध में जागरूक करे। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही व उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि वृद्धाश्रम का निरंतर निरीक्षण किया जाए तथा वहां की आस पास साफ सफाई एंटीलार्वा का छिड़काव किया जाए। उन्होंने कहा कि कही गंदगी या जल भराव की स्थिति उत्पन्न ना हो इसका विशेष ध यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जिससे बीमारी से बचाया जा सके सभी की कोविड–19 की सैंपलिंग की जाए। मा० प्रभारी मंत्री जी द्वारा अधिक से अधिक एंटीलार्वा का छिड़काव किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि लापरवाह अधिकारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर विधायक सादर गौरी शंकर वर्मा, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, मुख्य विकास अधिकारी डा. अभय कुमार श्रीवास्तव, शर्मा, अपर जिलाधिकारी (वि.ध्रा.) पूनम निगम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र देव शर्मा, जिला विकास अधिकारी सुभाष चन्द्र त्रिपाठी, समस्त उपजिलाधिकारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता हेतु अपना स्थान बनाया

अवध की आवाज

उन्नाव। जिला युवा कल्याण अधिकारी अनिल कुमार तिवारी ने बताया सिविल सर्विसेस कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के जनपद उन्नाव से प्रतिभाग करने वाले क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ब्लॉक बिछिया अखिलेश सिंह चौहान ने हाकी एवम ब्लॉक गंजमुरादाबाद के अधिकारी श्री प्रदीप ने शतरंज की प्रतियोगिता में जिले का नाम रौशन करते हुए जनपद स्तर एवं मंडल स्तर की प्रतियोगिता को क्वालीफाई करते हुए राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता हेतु अपना स्थान बनाया है। हॉकी की राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता 13 व 14 सितंबर को जनपद इटावा में और शतरंज की राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता कानपुर ग्रीन पार्क में होगी। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि यह जनपद के लिए गौरव कि बात है कि सिविल सर्विसेस प्रतियोगिता में युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों ने जिले का नाम रौशन किया। जिसके लिए युवा कल्याण विभाग द्वारा उन्हें राज्य स्तर पर विजई होने के उपरांत राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में विजय होने की शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन की बैठक हुई संपन्न

अवध की आवाज

मोहम्मदी खीरी। आज तहसील मोहम्मदी खीरी के अंतर्गत ग्राम मुबारकपुर में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन

की बैठक लखीमपुर खीरी जिलाध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जहां पर संगठन के पदाधिकारियों के साथ ही तमाम किसान मौजूद रहे। जिला लखीमपुर खीरी की तहसील मोहम्मदी के विकास खण्ड पसगवां अन्तर्गत ग्राम मुबारकपुर में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने एक बैठक की। जिसमें किसान हित की तमाम वार्ता के साथ मुख्य रूप से क्षेत्र में धान क्रय केंद्र लगाए जाने पर विशेष चर्चा की गई।बैठक के बाद तहसीलदार मोहम्मदी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में धान क्रय केंद्र लगाए जाने की मांग की गई। उक्त बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शाहजहांपुर जिलाध्यक्ष अमरजीत सिंह संधू व मण्डल उपाध्यक्ष देवकुमार प्रजापति उपस्थित रहे। साथ ही राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन संगठन से रवि सिंह, जिलाध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा, युवा जिलाध्यक्ष जसविंदर, जिला प्रभारी राजीव कुमार प्रजापति, पसगवां ब्लाक अध्यक्ष राममूर्ति कनौजिया, ब्लाक उपाध्यक्ष दिनेश यादव, मोहम्मदी तहसील अध्यक्ष अजय कुमार, पसगवां ब्लाक सचिव धर्मेंद्र राजपूत तथा चिंटू राजपूत सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

महिला थाना उरई में हुए सम्मेलन के दौरान बोले एसपी रवि कुमार, पुरुषों की अपेक्षा महिला पुलिसकर्मियों का काम ज्यादा चुनौती पूर्ण

अवध की आवाज

माधौगढ (जालौन)। शुक्रवार की शाम महिला थाना उरई में मिशन महिला शक्ति को और मजबूत बनाने व पुलिस विभाग में महिला पुलिसकर्मियों की भागीदारी को और मजबूत करने को लेकर एक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर पहुँचे जालौन के पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद सभी महिला पुलिसकर्मियों का मनोबल बढाते हुए कहा कि पुलिस की नौकरी में पुरुषों से महिला

पुलिसकर्मियों का काम ज्यादा चुनौती पूर्ण होता है क्योंकि उनके साथ परिवार चलाने की भी जिम्मेदारी होती है, जिससे बावजूद भी वो अपनी सहभागिता को बखुबी निभाती हैं, इसके अलावा उन्होंने सभी महिला पुलिसकर्मियों से उनकी बात सुनी व उनको हो रही समस्याओं को भी सुना व कहा कि वह हर संभव प्रयास करेंगे कि उनकी समस्याओं का निवारण भी हो सके, पुलिसकर्मियों से बात करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी को यह ध्यान रखना चाहिए कि पुलिस स्टेशन व ग्राउंड पर काम करते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुलिस का आम जन से बात चीत करने का तरीका सहज हो जिससे आमजन का पुलिस के प्रति विश्वास और ज्यादा बढ़ सके, इस कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के अलावा सीओ संतोष कुमार, महिला थाना प्रभारी नीलेश कुमारी व महिला थाना के सभी पुलिस कर्मी मौजूद रहे।'

कदौरा थाना समाधान दिवस में सुनी गयी फरियादियों की समस्याएं

अवधकी आवाज

कदौरा/जालौन। थाना दिवस पर क्षेत्रीय वाद विवाद मामलों की शिकायतों को निरीक्षक रविन्द्र नाथ यादव की अध्यक्षता व लेखपालों व अन्य

विभागों की मौजूदगी में सुनवाई की गयी एव आई आधा दर्जन से अधिक शिकायतों को लेकर निस्तारण के निर्देश भी दिए गए। कदौरा थाने में शनिवार को समाधान दिवस में निरीक्षक रविन्द्र नाथ यादव द्वारा राजस्व विभागीय लेखपाल व नगर पंचायत की मौजूदगी में आई शिकायतों की सुनवाई की गयी जिसमे आधा दर्जन राजस्व सहित पारिवारिक विवाद के मामले सामने आए जिनमे जांच निस्तारण के आदेश भी दिए गए मामलो में फरियादियो द्वारा अपनी शिकायत देकर कार्यवाही की मांग की गयी वही अधिकारी द्वारा सम्बन्धित लेखपाल नगर पंचायत कर्मियों से राजस्व विवादों में पुलिस सुरक्षा में पैमाइस जांच के निर्देश देते हुए अन्य विवाद

अपराधियो को किसी भी सूरत में बक्सा नहीं जाएगा - शिवकुमार सिंह'

अवध की आवाज

माधौगढ/जालौन'। कानपुर जिला से स्थानांतरण होकर जनपद में कोतवाल शिवकुमार को जिले के ईमानदार पुलिस कप्तान रवि कुमार ने जनपद के थाना चुर्खी की जिम्मेदारी दी । थाना चुर्खी का चार्ज लेने के बाद पहले तो चुर्खी कोतवाल शिवकुमार सिंह अपने अधीनस्थों से रूबरू हुए । बाद में उन्होंने पत्रकारवार्ता में वताया कि पुलिस कप्तान रवि कुमार ने उन्हें जिम्मेदारी दी वो पूरी लगन और ईमानदारी से उसका निर्वाहन करेगे ।चुर्खी कोतवाल ने बताया कि 1990 बैच में उनकी पुलिस में आरक्षी के पद पर नियुक्ति हुई थी

। और 2018 में इंस्पेक्टर हुये। उन्होंने बताया कि वो गृह जनपद एटा के रहने वाले हैं, कानपुर देहात, में कई बार थानों में तैनात रहे है । जहाँ उन्होंने ईमादारी से थानेदारी की है । चुर्खी कोतवाल ने कहा कि अपराधी कितना भी रसूक बाला हो वो उसे किसी भी कीमत पर नही छोड़ेंगे । थाना क्षेत्र में जो भी माफिया जुआ,सट्टा, अवैध शराब व और भी किसी प्रकार का काला धंधा करता है उसे बो किसी भी सूरत में नही छोड़ेंगे । चुर्खी कोतवाल शिवकुमार सिंह ने कहा कि वो हमेशा अपने उच्चजाधिकारी के आदेशों का पालन करके अपनी डयूटी करेगे।

डॉ दिलीप सेठ को व्यापार मंडल का निर्विरोध प्रदेश महामंत्री चुने जाने पर सम्मानित किया'

अवध की आवाज

माधौगढ/जालौन'। शुक्रवार को शंकर वेंकट हॉल राठ रोड उरई में लगातार चौथी बार निर्विरोध प्रदेश महामंत्री चुने जाने पर उत्तर प्रदेश उधोग व्यापार मंडल जनपद जालौन द्वारा डॉ दिलीप सेठ जी एवं प्रदेश मंत्री श्री हरिओम बाजपेयी जी का ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत

अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। सर्वप्रथम गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर प्रदेश महामंत्री डॉ दिलीप सेठ, हरिओम बाजपेयी एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा श्री गणेश जी के चित्र पर माल्यर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर श्री गणेश जी महाराज का सभी ने आशीर्बाद लिया तत्पश्यात जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता जी के अध्यक्षता में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया हॉल में उपस्थित जिला,युवा,उरई नगर,के पदाधिकारियो द्वारा डॉ दिलीप सेठ जी एवं हरिओम बाजपेयी जी का फूल मालाएं,पट्टिका,एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया गया डॉ दिलीप सेठ जी ने कहा कि वे सदैव व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष करते रहेंगे जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने कहा कि संगठन का प्रत्येक पदाधिकारी महत्वपूर्ण है विना पदाधिकरियों की एकजुटता से कोई भी कार्य करना सम्भव नही है। युवा जिलाध्यक्ष श्री हर्षवर्धन वर्मा जी एवं नगर अध्यक्ष उरई साजिद खान ने कार्यक्रम में आये हुए माननीय अतिथियों, पदाधिकारियो, व्यापारियों, एवं जिला संरक्षक गणो का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री मती प्रीति बंसल जी जिला उपाध्यक्ष श्री मती रेखा वर्मा जी व्यापार मंडल की निवर्तमान जिलाध्यक्ष श्री मती शशी सिंह जी जिला संरक्षक श्री रामकुमार कनकने जी श्री शैलेन्द्र श्रीखंडे जी श्री लक्ष्मण दास बाबानी जी उरई प्रथम नगर अध्यक्ष अरुण छिरोल्या जी गल्ला व्यापार संघ अध्यक्ष श्रवण गुप्ता जी देवतुल्य जिला पदाधिकारीगण,युवा पदाधिकारीगण एवं उरई नगर पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

भूत पुलिस डायरेक्टर ने सैफ-अर्जुन की तारीफ की

मुंबई, (वेब वार्ता)। भूत पुलिस के निर्देशक पवन कृपलानी ने अपनी फिल्म के कलाकारों सैफ अली खान और अर्जुन कपूर जमकर

तारीफ की है। उनका कहना है कि विभूति और चिरौंजी को चित्रित करने के लिए दोनों एक आदर्श कलाकार थे और इन शानदार अभिनेताओं को किरदार निभाने के लिए मिलना लगभग एक सपने के सच होने जैसा है। कृपलानी ने कहा, सैफ अली खान और अर्जुन कपूर विभूति और चिरौंजी को चित्रित करने के लिए एकदम सही कलाकार हैं, इन दो शानदार अभिनेताओं को इन किरदारों को निभाना देखना लगभग एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने साझा किया, मेरी किताबों में विभूति सैफ के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है, वह चरित्र के मालिक हैं। उन्होंने आगे कहा, सैफ–अर्जुन दोनों एक साथ एक दुर्जेय जोड़ी हैं, उन्होंने सचमुच एक–दूसरे के प्रदर्शन को एक–दूसरे के लिए उनके प्यार के कारण बहुत बेहतर बना दिया है,फिल्म में इन दो प्रतिभाशाली अभिनेताओं का होना अद्भुत है। भूत पुलिस में जैकलीन फर्नांडीज, यामी गौतम, जावेद जाफरी और जेमी लीवर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 10 सितंबर को डिजनी प्लस पर रिलीज हुई है।

अमिताभ बच्चन शेयर किया अनदेखा फोटो, एक साथ दिखा बॉलिवुड का 'जमघट'

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर खूब ऐक्टिव रहते हैं। अमिताभ अक्सर सोशल मीडिया पर पुरानी

तस्वीरें, वीडियो और अपने विचार फैन्स के साथ शेयर करते रहते हैं। अब अमिताभ बच्चन ने एक पुरानी ब्लैक ऐंड वाइट ऐसी ही अनदेखी तस्वीर शेयर की है जिसे फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं। अमिताभ की शेयर की इस तस्वीर में कई बॉलिवुड स्टार्स एक साथ नजर आ रहे हैं। अमिताभ ने शनिवार को यह तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है जिसमें उनके साथ शत्रुन सिन्हा, धर्मेंद्र, प्रेम चोपड़ा और जितेंद्र एक साथ नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए बिग बी ने लिखा, 'जितेंद्र, धर्मेंद्र, प्रेम चोपड़ा, शत्रुघ्न सिन्हा और मैं आजकल ऐसे जमघट बहुत कम देखने को मिलते हैं।' इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर लोग खूब पसंद कर रहे हैं। इस बीच वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन अभी अपने क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्मों की बात करें तो अमिताभ हाल में फिल्म 'चेहरे' में इमरान हाशमी के साथ नजर आए थे। अब उनकी फिल्म झुंड रिलीज के लिए तैयार है। इसके अलावा अमिताभ ब्रह्मास्त्र, मेडे, द इंटर्न और गुडबाय में भी नजर आएंगे।

बालाजी टेलीफिल्म्स से एकता कपूर ने मांगी करोड़ों की सैलरी

मुंबई, (वेब वार्ता)। टीवी की 'क्वीन' एकता कपूर को बड़ा झटका लगा है। बालाजी टेलीफिल्म्स की जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर एकता कपूर ने कंपनी से अपनी और मां शोभा कपूर की सैलरी बढ़ाने की मांग की थी, जिसे शेयरहोल्डर्स ने खारिज कर दिया है। एकता की मां शोभा कपूर बालाजी टेलीफिल्म्स की मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। कंपनी के एजीएम यानी एनुअल जनरल मीटिंग में सैलरी में बढ़ोतरी की मांग रखी गई थी, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। यह मीटिंग 31 अगस्त 2021 को थी।

'ब्लूमबर्ग क्विंट' की रिपोर्ट के मुताबिक, जनरल मीटिंग का परिणाम 2 सितंबर को आया था। इसमें एकता कपूर की सैलरी बढ़ाने के प्रस्ताव पर जो वोटिंग हुई, उसमें 55.4 फीसदी वोट एकता के खिलाफ थे, जबकि 56.7 फीसदी वोट शोभा कपूर की सैलरी बढ़ाने के प्रस्ताव के खिलाफ थे।

'बिजनस स्टैंडर्ड' की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि शोभा कपूर को फाइनेंशियल ईयर 2021 में 2.1 करोड़ रुपये बतौर सैलरी का भुगतान किया गया था। यह कंपनी के किसी भी औसत कर्मचारी की सैलरी 59.7 गुना था। जबकि वित्त वर्ष 2022 में मुनाफे में कमी को मानते हुए शोभा कपूर की सैलरी करीब रु 2.69 करोड़ है। इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विस के अमित टंडन कहते हैं कि एकता कपूर का अटेंडेंस रिकॉर्ड भी खराब रहा है। फाइनेंशियल ईयर 2021 में वह 50 फीसदी बोर्ड

मीटिंग्स से गायब रही हैं। पिछले तीन साल में वह 75 फीसदी बोर्ड मीटिंग में ही मौजूद रही हैं। एकता कपूर को फाइनेंशियल ईयर 2021 में कंपनी से कोई वेतन नहीं मिला। जबकि शोभा कपूर की तरह ही फाइनेंशियल ईयर 2022 में मुनाफे में कमी को देखते हुए उनका अनुमानित वेतन 2.69 करोड़ रुपये है। यह कंपनी में उनके बराबर काम कर रहे साथियों के अनुरूप है।

खतरों के खिलाड़ी 11 के प्रतियोगियों ने किया अपनी छिपी प्रतिभा का खुलासा

मुंबई, (वेब वार्ता)। खतरों के खिलाड़ी 11 के इस वीकेंड एपिसोड में खिताब के दावेदार दुनिया को दिखाएंगे कि उनके पास खतरा उठाने की चुनौति लेने की प्रवृत्ति के अलावा और भी कुछ हैं। विशाल आदित्य सिंह अभिनेत्री सना मकबुल के अलावा किसी और के लिए एक स्व–रचित शायरी का पाठ करते नजर आएंगे। लगता है केपटाउन में प्यार की हवा चल रही है। उनके साथी प्रतियोगियों की जय–जयकार विशाल के उत्साह को बढ़ाएगी, जिससे उन्हें सना के लिए लिखी गई उनकी हार्दिक शायरी को सबसे रोमांटिक अंदाज में पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। शायरी सुनकर सना शरमाना और खिलखिलाना बंद नहीं कर पाएंगी। वरुण सूद ने गिटार बजाने की अपनी प्रतिभा का खुलासा किया। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित गायक राहुल वैद्य उनके साथ शामिल होंगे और उनकी धुन पर गाएंगे। दिव्यांका त्रिपाठी दहिया, जो शो में अपने

एक्शन से भरपूर मूव्स से दर्शकों और अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित करती रही हैं, राइफल–शूटिंग में अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करेंगी। जैसे–जैसे खतरों के खिलाड़ी 11 फिनाले की ओर बढ़ रहा है, सारी मस्ती और हंसी के बावजूद, चीजें गंभीर होने वाली हैं क्योंकि बैक–टू–बैक एलिमिनेशन राउंड सभी प्रतियोगियों पर मंडरा रहा है। इस वीकेंड शो में डबल एलिमिनेशन होगा! कौन से दो प्रतियोगी बाहर होंगे और बाकी को एक और दिन लड़ने के लिए छोड़ देंगे? केवल समय बताएगा! खतरों के खिलाड़ी 11 का प्रसारण हर शनिवार और रविवार को कलर्स पर होता है।

यश राज फिल्म्स ने दैनिक वेतन भोगियों के लिए स्वास्थ्य बीमा पेश किया

मुंबई, (वेब वार्ता)। फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा ने इंडस्ट्री के दैनिक वेतन भोगियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य बीमा, स्कूल शुल्क भत्ता, राशन आपूर्ति सहित अन्य लाभ प्रदान करने के लिए साथी कार्ड लॉन्च किया है। कोविड –19 की प्रतिक्रिया से परे इसे बनाए रखने के लिए, आदित्य ने स्वास्थ्य बीमा, स्कूल शुल्क भत्ता, राशन प्रदान करने के लिए, यश चोपड़ा फाउंडेशन के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय नीति अवधारणा की तर्ज पर सार्वभौमिक बुनियादी समर्थन के आधार पर इंडस्ट्री के दैनिक वेतन भोगियों और उनके परिवारों को अन्य लाभों के साथ आपूर्ति, वार्षिक स्वास्थ्य जांच के लिए साथी कार्ड लॉन्च किया है। वाईआरएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अक्षय विधानी ने कहा, यश राज फिल्म्स में हम न केवल प्रतिक्रियात्मक रूप से दान करने के बारे में विश्वास करते हैं, बल्कि यह हमारे लाभार्थियों के जीवन में स्थायी प्रभाव पैदा करने के लिए एक अधिक रणनीतिक विचार प्रक्रिया

और कार्य योजना है। कोई भी व्यक्ति जो मुंबई में हिंदी फिल्म संघ का पंजीकृत सदस्य है, उसकी आयु 35 वर्ष या उससे अधिक है और कम से कम एक प्रत्यक्ष आश्रित है, वह कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए पात्र है। विधानी ने कहा, साथी कार्ड उन लोगों के लिए एक दोस्त और समर्थन प्रणाली के रूप में होने का हमारा तरीका है जो हमारे उद्योग की रीढ़ हैं। आने वाले समय में, हम अपने उन हिस्सों के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इस समर्थन के दायरे का विस्तार करेंगे। कार्डधारक 2 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, मुफ्त वार्षिक चेक–अप और दवा बिलों और उपचार सेवाओं पर छूट सहित स्वास्थ्य देखभाल के लिए इसका उपयोग कर सकेंगे। पंजीकृत व्यक्ति भी अपने बच्चों की शिक्षा का समर्थन करने के लिए कार्ड का उपयोग कर सकते हैं क्योंकि वाईआरएफ स्कूल फीस, स्टेशनरी और वर्दी के लिए भत्ता प्रदान कर रहा है। वे राशन की आपूर्ति खरीदने के लिए भी कार्ड का उपयोग कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने विनोबा भावे, सुब्रह्मण्य भारती को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विनोबा भावे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने भारत को आजादी मिलने के बाद महान गांधीवादी सिद्धांतों को आगे बढ़ाया। वर्ष 1895 में जन्मे, भावे ने अपना जीवन गांधीवादी सिद्धांतों के प्रचार में लगाया और वह विशेषकर 'भूदान' अभियान के लिए जाने जाते हैं जहां उन्होंने देश भर के लोगों को अपनी भूमि का एक हिस्सा दान करने के लिए राजी किया, जिसे उन्होंने भूमिहीन गरीबों के बीच वितरित किया। मोदी ने कहा कि उनके जन आंदोलन गरीब एवं वंचितों के जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर केंद्रित थे। सामूहिक भावना पर उनका जोर हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आचार्य विनोबा भावे ने भारत को आजादी मिलने के बाद अनेक गांधीवादी सिद्धांतों को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, 'महात्मा गांधी ने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित किया जो छुआछूत के बिल्कुल खिलाफ थे, भारत की स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में अडिग थे और अहिंसा के साथ–साथ रचनात्मक कार्यों में दृढ़ विश्वास रखते थे। वे एक उत्कृष्ट विचारक थे। प्रधानमंत्री ने तमिल साहित्यकार सुब्रह्मण्य भारती की 100वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में

भारती पर दिए अपने भाषण को पोस्ट करते हुए कहा, '100वीं पुण्यतिथि पर, असाधारण सुब्रह्मण्य भारती को याद कर रहे हैं। हम उनकी समृद्ध विद्वता, हमारे राष्ट्र के लिए बहुआयामी योगदान, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण पर महान आदर्शों को याद करते हैं।'

गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों का संबल बनी योगी सरकार

लखनऊ, (वेब वार्ता)। जब कोई व्यक्ति गंभीर बीमारी से जूझ रहा हो तो घर के बड़े उसका ख्याल रखते है। लेकिन अगर गंभीर बीमारी के साथ गंभीर आर्थिक संकट हो तो स्थिति विषम हो जाती है। ऐसी ही स्थिति से उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कइयों को उबारा है। प्रदेश में

गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना दिल बड़ा करते हुए खजाना खोल दिया है। भाजपा सरकार आने के बाद प्रदेश में 71 हजार लोगों की करीब 11.29 अरब रुपये की मदद इस मामले में की जा चुकी है। सूचना पहुंचने के बाद पीड़ित तक मदद पहुंचाने की कोशिश में शासन जुटा हुआ है। ऐसा ही एक मामला गोरखपुर में आया जहां के शेषपुर निवासी रुचि गुप्ता का कहना है कि मेरी तो हर सांस अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति अहसानमंद है। घर की माली हालत बेहद खराब थी और ऊपर से हृदय की गंभीर बीमारी। जान बचने की कोई उम्मीद नहीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने सारी उम्मीद ही छोड़ दी थी। उन तक फरियाद पहुंचने के दो दिन के भीतर इलाज के लिए सारी रकम का इंतजाम हो गया। हृदय की गंभीर बीमारी से पीड़ित रुचि गुप्ता ने तो जीने की उम्मीद ही छोड़ दी थी। उनका हार्ट का वाल्व बदलना जरूरी था और कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते 6 लाख रुपये से अधिक का खर्च उठा पाना उनके लिए संभव नहीं था। मेदांता में इलाज के लिए सीएम ने पहले 3.07 लाख रुपये स्वीकृत किए, प्रधानमंत्री के कोष से भी 50 हजार की मदद मिली। शेष धनराशि की जब व्यवस्था नहीं हो पाई तो उनकी फरियाद दोबारा मुख्यमंत्री तक पहुंची। इसके अगले दो दिन में जरूरी 2.5 लाख रुपये का इंतजाम हो गया।

सीएम विवेकाधीन कोष से गंभीर रुचि गुप्ता के इलाज में मुख्यमंत्री योगी तक फरियाद पहुंचाने का माध्यम बने पार्षद व नगर निगम गोरखपुर के उपसभापति ऋषि मोहन वर्मा कहते हैं कि मुख्यमंत्री जी ने गंभीर बीमारियों से पीड़ितों की मदद में ऐतिहासिक कार्य किया है। इसमें जाति, पंथ, मजहब या क्षेत्र का विभेद नहीं किया। उनके संज्ञान में मामला आते ही, भरपूर मदद मिली।

19 मार्च 2017 को उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद सीएम योगी गंभीर बीमारी से पीड़ित 71626 लोगों को 11 अरब 29 करोड़ 48 लाख 53 हजार 676 रुपये की इनराशि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से उपलब्ध करा चुके हैं। इस दौरान प्रार्थना पत्र या जनप्रतिनिधि के माध्यम से मामला संज्ञान में आने के बाद मदद की कोशिश की गई। सोशल मीडिया के जरिये सूचना पहुंचने पर भी मदद दी गयी।

वित्तीय वर्ष लाभान्वित लोग सहायता राशि

2017–18 13228 1846378750
2018–19 17772 2563461400
2019–20 18104 2802356695
2020–21 15343 2757175036
2021–22 7269 1325481795

(वित्तीय वर्ष 2017–18 के आंकड़े 19 मार्च 2017 से तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के आंकड़े 7 सितम्बर तक के हैं)

सेहत के मामले में योगी अपने संसदीय कार्यकाल (1998) से ही फिक्रमंद दिखते हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें और तेजी दिखी है। सीएम बनने से पहले गोरक्षपीठ के अंतर्गत उन्होंने गुरु श्रीगोरक्षनाथ अस्पताल लोगों के लिए खोला था जिससे को सस्ते व अत्याधुनिक इलाज का एक बेहतर ठौर उपलब्ध कराया। इस अस्पताल ने सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य मेला भी लगाया। बता दें कि उत्तर प्रदेश में 59 जिलों में मेडिकल कॉलेज कुछ बन गए हैं जबकि कुछ मेडिकल कॉलेज निमार्णाधीन या स्वीकृत हैं। जो 16 जिले शेष रह गए हैं, वहां पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज का बनना तय हो गया है।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कोतवाली सदर में फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण कराते हुए जिलाधिकारी महोदय उन्नाव श्री रवीन्द्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव श्री अविनाश पांडे ।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सरई नगर इकाई की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

अवध की आवाज ब्यूरो

मध्य प्रदेश। सिंगरौली जिला संयोजक धीरज सिंह के नेतृत्व में नवीन नगर कार्यकारिणी में सरई नगर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी विमल पांडे जी को सौंपी गई है. जिसमें आज कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड महाविद्यालयीन प्रमुख अरविंद उपाध्याय जी उपस्थित रहे. जिसमें अरविंद उपाध्याय जी तथा जिला संयोजक जी सभी को नई जिम्मेदारी की घोषणा किये जिसमें. नगर मंत्री सरई अमर केसरी . सुधांशु पना डिया तथा सूरज प्रकाश वैश्य को उपाध्यक्ष और विकास साहू, अभय सिंह, सूरज रावत, को सह मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई इसी प्रकार से नगर एस एफ डी प्रमुख रामरतन रजक नगर यस यस प्रमुख सचिन साहू नगर राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख दीपक पना डिया साजन सेन, को तकनीकी कार्य प्रमुख पंकज गुप्ता को नगर स्टडी सर्कल प्रमुख, नगर महाविद्यालय प्रमुख पंकज गुप्ता, नगर विद्यालय कार्य प्रमुख अखिलेश दुबे , नगर क्रीड़ा प्रमुख रामजीत श्यामले एनसीसी प्रमुख बृजेश सेन, एन एस एस प्रमुख सचिन गुप्ता, शिवम गुप्ता रोहित पांडे, मोनू पांडे ,चंदन विश्वकर्मा, दुष्यंत सिंह ,प्रशांत जयसवाल व प्रवीण तिवारी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है कार्यकारिणी की घोषणा के दौरान जिला संयोजक धीरज सिंह जी ,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड महाविद्यालयीन प्रमुख अरविंद उपाध्याय जी वही लकी जी समेत अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

म्रतक की मौत का कारण नही चल सका जांच में जुटी पुलिस व फोरेंसिक टीम

म्रतक के गांव पहुचे अपर पुलिस अधीक्षक (एडिश्नल) कहा जल्द ही करेंगे खुलासा

अवध की आवाज

पिरौना (जालौन) एट थाने क्षेत्र के ग्राम इगुइकला में देर रात एक 42 वर्षीय युवक की मौत हो जाने से गांव में सनसनी फैल गयी जानकरी के अनुसार रामसेवक 42 वर्ष पुत्र रामलखन घर के बाहर पशुबाड़े के पास सो रहा था सुवह रामसेवक की पत्नी आयी तो देखा की चारपाई खून से लथपथ और चादर भी लथपथ था जैसे ही उसने चादर हटाया तो जोर से चिल्लाई और बेहोस होकर गिर गई चीख सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए कुछ लोगो ने पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही पुलिस सीओ राहुल पांडेय कोंच, थाना प्रभारी विनय दिवाकर फोरेंसिक टीम जांच में जुटी हुई हैं म्रतक की मौत बन्दूक की गोली लगने से हुई अभी इसकी जांच चल रही हैं म्रतक के पिता रामलखन ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर मामला दर्ज कराया है पुलिस का कहना है कि जांच पड़ताल की जा रही है। मामला पुरानी रंजिश का भी हो सकता है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। म्रतक के पिता

रामलखन पुलिस से रिटायर्ड दरोगा है और मां चंदा रानी पूर्व प्रधान है। वारदात से गावं में तनाव व्याप्त है। म्रतक के तीन सन्ताने है जिनमे नेहा, जसवंत और यशवंत हैं आपको बता दे कि मामला अभी उलझा हुआ है पुलिस ने शक के आधार पर कुछ लोगो को पूछताछ हेतु हिरासत में ले लिया मौके पर पहुचे अपर पुलिस अधीक्षक ने मामला को जल्द खुलासा करने के लिए कहा है और साथ ही बताया कि पहले प्रधानी का चुनाव भी जीते हुए थे अभी कुछ कहा नही जा सकता इसके लिए टीम बनाई जाएगी और जल्द खुलासा किया जाएगा म्रतक के पिता रामलखन ने बताया कि मेरे तीन लड़के है जिनमे सबसे बड़ा रामसेवक था यह गांव में खेती बाड़ी, मजदूरी के साथ ट्रक पर भी जाता था क्लिनरी परिचालक का काम करने लगा था कल वह ड्राइवरी लाइसेंस बनवाने के लिए आरटीओ से आया था म्रतक के खून के धब्बे गली में जगह जगह पाए गए इसी आधार पर पुलिस ने कुछ लोगो को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।